2.2 क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य :

सादुलशहर, श्रीगंगानगर जिले के अन्तर्गत तहसील मुख्यालय है। यह राजस्थान के उत्तर व जिला मुख्यालय के पूर्व में स्थित है। यहां थार रेगिस्तान होने के बावजूद नहरों से सिंचाई होने से यह क्षेत्र हरा–भरा रहने लगा है। सादुलशहर रेल व सड़क मार्ग से प्रदेश एवं देश के प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। अर्न्तराष्ट्रीय सीमा के नजदीक होने से इसकी स्थिति अत्यन्त महत्वपूर्ण है। सादुलशहर एक महत्वपूर्ण कृषि मण्डी है। यहां से उत्पादन राज्य के अन्य जिलों में एवं अन्य राज्यों में भी भेजा जाता है। मण्डी में प्रमुख सुविधाओं में वित्त निगम का स्टोरेज, ट्रक, पार्किंग इत्यादि सुविधा उपलब्ध है जो पर्याप्त नहीं है।

इस क्षेत्र में अधिकांशतः दो प्रकार की मिट्टी पाई जाती है। पहली क्लेई लोम मिट्टी जो धान, गन्ना, ज्वार, सरसों, गेहूं, मक्का एवं नरमा आदि फसलों के लिए अच्छी मानी जाती है। दूसरी बालूई मिट्टी जिसमें बारानी फसलें होती हैं, इनमें बाजरा, ग्वार, मूंग व मोठ आदि फसलों की उपज होती है। सादुलशहर तहसील में भाखड़ा नहर परियोजना से पानी मिलने से अच्छी पैदावार होती है।

सादुलशहर के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि पर आधारित है। यहां से गेहूं, धान, सरसों, कपास एवं खाद्य तेल आदि अन्य राज्यों में भेजा जाता है। यहां पर सूजी एवं साबुन भी तैयार किया जाता है।

2.3 ऐतिहासिक :

यहां पर सन् 1921 से पहले गांव बसा हुआ था। प्रारम्भ में यहां पर सहारण एवं खींचड़ नामों के जाट परिवार आकर बस गये थे। इसलिये इसे खींचड़वास के नाम से जाना जाता था। इस गांव के चारों ओर मिट्टी के टीले होने के कारण इसका नाम मटीली पड़ गया। कालान्तर में इसका नामकरण रियासत के राजा श्री सार्दुलसिंह जी के नाम पर सादुलशहर के नाम से किया गया था। सन् 1921 के आस–पास यहां पर रेलवे लाईन, डाकघर एवं बीकानेर रियासत के राजा द्वारा कुए का निर्माण करवाया गया था। यह स्थान वर्तमान में नगर के दक्षिणी भाग में स्थित है।

सन् 1935 में यहां पर पुलिस थाना, अस्पताल एवं आयुर्वेदिक औषधालय की स्थापना हुई। सन् 1960 के आसपास यह नगर श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अबोहर आदि नगरों से सड़क मार्ग से भी जुड़ गया। सन् 1958 के आसपास भाखड़ा नहर एवं 1973 में उपनिवेशन विभाग द्वारा इसे "सी–श्रेणी" मण्डी घोषित करने से इस नगर का विकास तेजी से होने लगा। सन् 1979 में इस सात वार्डों वाले नगर में नगर पालिका की स्थापना की गई।

2.1 भौतिक स्वरूप एवं जलवायु

सादुलशहर राजस्थान प्रदेश के उत्तर में 29° 48′ उत्तरी अक्षांश एवं 74°10′ पूर्वी देशान्तर पर माध्य समुद्र तल से 1903 फुट (580.29 मीटर) की ऊँचाई पर स्थित है। थार रेगिस्तान में बसा होने के कारण यहां की जलवायु लगभग सम्पूर्ण वर्ष गर्म और शुष्क रहती है। नगर के चारों ओर वर्तमान में भाखड़ा नहर परियोजना से सिंचाई होने के कारण लगभग सम्पूर्ण तहसील क्षेत्र हरा–भरा रहता है। राजस्थान के इस उत्तर पश्चिमी भाग में धूल भरी आंधियाँ आती हैं, जो कि इस भू–भाग की सामान्य विशेषता है। हवा की दिशाऐं मुख्य रूप से अप्रैल से सितम्बर तक दक्षिण–पश्चिम से तथा अक्टूबर से मार्च तक उत्तर–पश्चिम और उत्तर–पूर्व की ओर से होती हैं। तापमान में अत्यधिक उतार–चढ़ाव का मुख्य कारण यहां का मौसम गर्म और शुष्क रहता है। गर्मी के मौसम में माह मई व जून में यहां का औसतन न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेन्टीग्रेड एवं अधिकतम 47 डिग्री सेंटीग्रेड तथा शरद ऋतु के माह दिसम्बर व जनवरी में यहां का औसत तापमान न्यूनतम 3 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच रहता है। यहां मानसून का आना अनिश्चित रहता है। यहां पर औसत वार्षिक वर्षा लगभग 30 मिलीमीटर रहती है।